



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 24 फरवरी, 2023

राष्ट्रीय राजमार्ग नरिमाण में फॉस्फोर-जपिसम

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (National Highways Authority of India- NHAI), उर्वरक वभिण एवं रसायन और उर्वरक मंत्रालय के सहयोग से **राष्ट्रीय राजमार्ग नरिमाण में फॉस्फोर-जपिसम के उपयोग** हेतु NHAI परयोजनाओं पर फीलड परीक्षण करेगा ताकि एक **चक्रीय अरथवयवस्था** प्राप्त की जा सके। फॉस्फोर-जपिसम, उर्वरक नरिमाण से निकलने वाला एक अपशषिटउत्पाद, **रेडॉन रेडयिधर्मी गैस का उत्सर्जन करता है। इसमें रेडयिधर्मी तत्त्व यूरेनियम, थोरियम और रेडियम भी शामिल हैं।** NHAI सड़क नरिमाण में बेकार प्लास्टिक के उपयोग को भी बढ़ावा दे रहा है, जिसका सफल परीक्षण किया जा चुका है। अध्ययनों ने स्थापति किया है **कपिलास्टिक कचरे का उपयोग करके बनाई गई सड़कें टिकाऊ, एवं धारणीय होती हैं और बटुमेन (कच्चे तेल के आसवन के माध्यम से उत्पादित पदार्थ) के जीवन चक्र को बढ़ाती हैं।** इसी प्रकार NHAI ने हाईवे और फ्लाईओवर तटबंधों के नरिमाण के लिये फ्लाई ऐश का इस्तेमाल किया है। **फ्लाई ऐश कोयला थर्मल पावर प्लांट में कोयले के दहन का एक अवांछित अधजला अवशेष है।** यह किसी भट्टी में कोयले के जलने के दौरान ग्रपि गैसों (एक दहन प्रक्रिया से एक अपशषिट गैस) के साथ उत्सर्जित होती है तथा **इस्त्रेलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटैटर्स का उपयोग करके एकत्र किया जाता है।**

और पढ़ें... [भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण \(NHAI\), ठोस अपशषिट प्रबंधन](#)

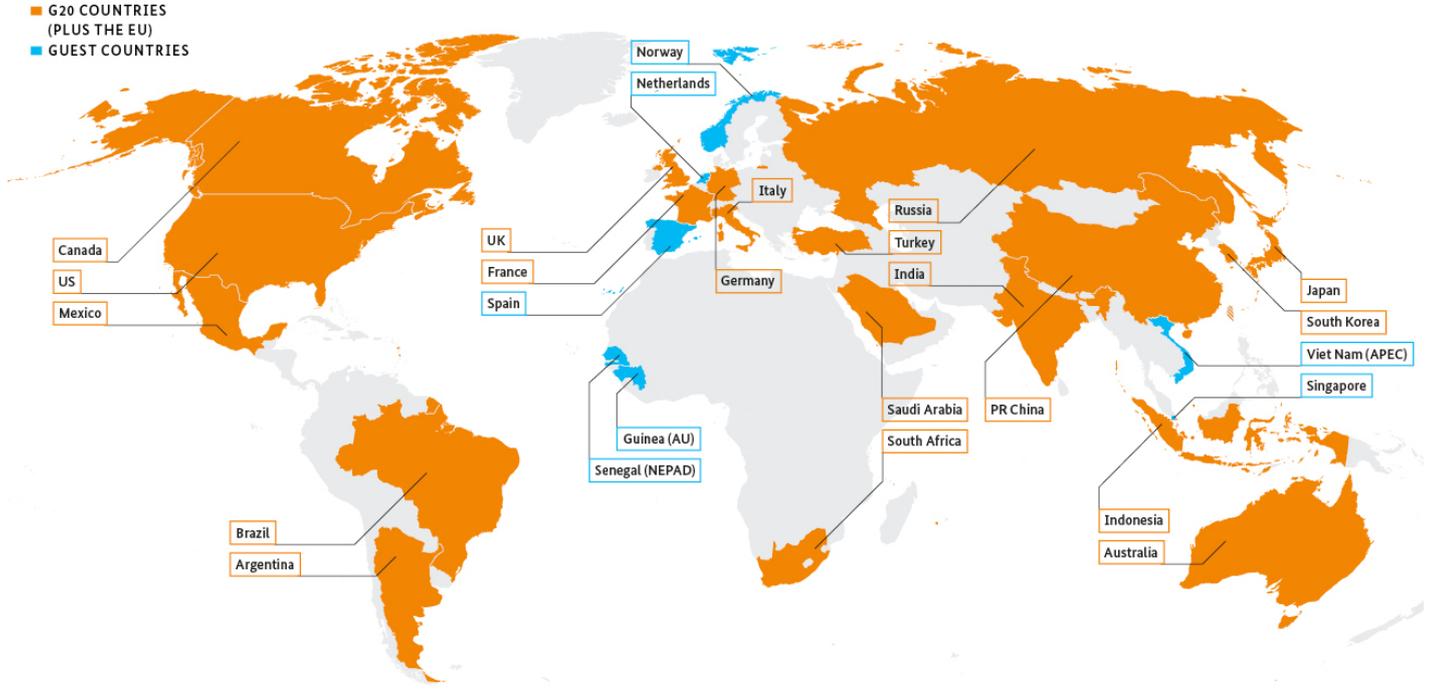
सथिन टॉप

जम्मू-कश्मीर में **ऑफ-बीट पर्यटन गंतव्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहली बार सथिन टॉप का मार्ग फरवरी 2023 में खोल दिया गया है।** सथिन टॉप एक ऊँचा पहाड़ी दर्रा है जो **अनंतनाग ज़िले में बरेंग घाटी तथा जम्मू-कश्मीर के कश्तिवाड के बीच स्थिति है, यह कश्मीर को चनिाब घाटी से जोड़ता है।** **जम्मू और कश्मीर (J & K)** एक केंद्रशासित प्रदेश है, जो देश के उत्तरी भाग में स्थिति है एवं **वैश्विक पर्यटन के प्रमुख स्थलों में से एक है।** पारंपरिक मनोरंजक पर्यटन के अतिरिक्त एडवेंचर, तीर्थयात्रा, आध्यात्मिक व स्वास्थ्य पर्यटन की यहाँ व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। प्राकृतिक मनोरम, सुंदरता और सुरम्य स्थानों ने इसे विश्व भर के पर्यटकों के लिये एक पसंदीदा स्थान बना दिया है। **जम्मू यहाँ के मंदिरों के लिये प्रसिद्ध है, जबकि कश्मीर घाटी अपनी झीलों और उद्यानों हेतु जानी जाती है।** अन्य कुछ प्रसिद्ध स्थलों में श्रीनगर, पहलगाम, जम्मू, सनासर, जांस्कर, गुलमर्ग, सोनमर्ग, पटनीटॉप, कटरा/वैष्णोदेवी, कारगलि, नुब्रा घाटी शामिल हैं।

और पढ़ें... [भारत में पर्यटन](#)

संस्कृत कार्यसमूह की पहली बैठक

G-20 की भारत की अध्यक्षता में **संस्कृत कार्यसमूह की पहली बैठक** हाल ही में **मध्य प्रदेश के खजुराहो में आयोजित हुई।** बैठक की अध्यक्षता **केंद्रीय संस्कृत एवं पर्यटन मंत्री** ने की। बैठक के पहले दिनि **पद्मश्री नेक राम, जनिहें मलिट्स मैन** के रूप में भी जाना जाता है, को **अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (IYM) 2023 मनाने के लिये आमंत्रित** किया गया है। खजुराहो के मंदिर 950- 1050 ईस्वी के बीच चंदेल राजवंश के शासनकाल में बनाए गए थे। वर्तमान में यहाँ केवल 20 मंदिर शेष हैं; वे तीन अलग-अलग समूहों में आते हैं तथा दो अलग-अलग धर्मों से संबंधित हैं - **हद्वि धर्म और जैन धर्म।** यूनेस्को की 'खजुराहो ग्रुप ऑफ मॉन्यूमेंट्स' की साइट अपनी नागर शैली की वास्तुकला तथा नयकियों (हद्वि पौराणिक महिला नायक) एवं देवताओं की सुंदर मूर्तियों के लिये प्रसिद्ध है।



//

और पढ़ें... [अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष, भारत द्वारा G-20 की अध्यक्षता](#)

भारतीय वधि आयोग

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 22वें वधि आयोग के कार्यकाल को डेढ़ वर्ष के लिये बढ़ा दिया है, वधि आयोग उन कानूनों की पहचान करने के लिये अनविरय है जो "अब प्रासंगिक नहीं हैं" और उन्हें नरिस्त करने की सफारिश करते हैं। पैनल का कार्यकाल 31 अगस्त, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। यह भी अनविरय है कनिए कानून को लागू करने का सुझाव दिया जाए जो [नरिदिक सदिधांतों](#) को लागू करने तथा संवधान की [परसत्तावना](#) में नरिधारति उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये आवश्यक हो सकते हैं। भारत का वधि आयोग समय-समय पर भारत सरकार द्वारा गठित एक गैर-सांवधिकि नकियाय है। पहला वधि आयोग वर्ष 1834 में 1833 के चार्टर अधनियिम द्वारा बरिटिशि राज के दौरान स्थापति किया गया था और इसकी अध्यक्षता लॉर्ड मैकाले ने की थी। स्वतंत्र भारत का पहला वधि आयोग 1955 में तीन वर्ष के कार्यकाल के लिये स्थापति किया गया था।

और पढ़ें.. [भारतीय वधि आयोग](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-24-february-2023>